दैनिक जागरण

रांची, शनिवार, 31 जनवरी, 2004

अन्य जिलों में भी आत्मा माडल परियोजनाओं के विस्तार की आवश्यकता-देसाई

हमारे निज प्रतिनिधि, रांची

कृषि प्रसार एवं प्रबंधन के विकास में आत्मा माडल परियोजनाओं का झारखंड के अन्य जिलो में भी विस्तार होना चाहिए। बीएयू के बायोटेक सेन्टर में रिजनल रिव्यू वर्कशाप आफ आइटीडी कम्पोनेन्ट आन एनटीपी विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए, हैदराबाद स्थित मैनेज के निदेशक डा.जी.आर देसाई ने उक्त बातें कहीं। राज्य स्तरीय कृषि प्रबंधन, प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान(समेति)ने 28-30 तक उक्त कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में भारत

तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

सरकार के कृषि मंत्रालय, विश्व बैंक के वित्त सहयोग एवं मैनेज हैदराबाद के तकनीकी सहयोग में राष्ट्रीय कृषि प्रोद्योगिकी परियोजना(एनएटीपी) के आइटीडी घटक के अंतर्गत झारखंड एवं बिहार के 8 आत्मा जिलों के परियोजनाओं की समीक्षा की गई। झारखंड व बिहार के आठ आत्मा जिलों क्रमशः दुमका, जामताड़ा, चाईबासा, पलामू, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, मुंगेर तथा पटना के परियोजना निदेशकों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार वहां के किसान उन्नत फार्म तकनीक के इस्तेमाल के प्रति जागरूक हैं।

कृषकों की सहभागिता बढ़ाने में नेतृत्व विकास सहायक : जयराम

संवाददाता

रांची, 1 सितंबर : स्टेट एग्रीकल्चर मैनेजमेंट एक्सटेंशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (समेति) व मैनेज हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में एक्सआइएसएस पुरुलिया रोड के सभागार में एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसी (आत्मा)के लिए आज से *नेतृत्व विकास* पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया. कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि कृषि विभाग, झारखंड सरकार के संयुक्त सचिव जयराम ने किया.

नेतृत्व विकास पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

इस अवसर पर एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ बेनी एक्का, समिति के निदेशक डॉ एके सरकार, मैनेज हैदराबाद के स्टेट कंसलटेंट डॉ करीम उपस्थित थे. श्री जयराम ने इस लिए उपयोगी बताया. डॉ बेनी एक्का ने कहा कि यह प्रशिक्षण न सिर्फ प्रतिभागियों को लाभान्वित करेगा, बल्कि कृषि कार्यान्वयन की तमाम बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगा. डॉ सरकार ने कहा कि आज के परिपेक्ष्य में किसानों की सहभागिता बढ़ाने के लिए नेतृत्व विकास जरूरी है. कार्यक्रम में एक्सआइएसएस के एक्सटेंशन ट्रेनिंग विभाग की विभागाध्यक्ष मनोज भगत, आत्मा जामताड़ा के परियोजना निदेशक आरबी सिंह भी उपस्थित थे. प्रशिक्षण कार्यक्रम में आत्मा डिस्ट्रिक्ट के परियोजना निदेशक, उप परियोजना निदेशक, प्रखंड कृषि अधिकारी व स्वयंसेवी संगठन के लोगों ने भी भाग लिया. इसके अलावा

किसान समूह को प्रेरक नेतृत्व प्रदान करने की जरूरत : शहियार

रांची : समेति झारखंड के तत्वावधान में एक्सआइएसएस में आयोजित *लीडरशीप डेवलपमेंट इन आत्मा डिस्ट्रीक्ट* विषयक पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आज चौथा दिन था. आज एक्सआइएसएस के संकाय सदस्य मो शहियार ने बताया कि किस प्रकार नेतृत्वकर्ता समूह को प्रेरणा व पथ प्रदर्शन करता है. वरीय संकाय सदस्य आभा एक्का ने कहा कि ग्राम, प्रखंड व जिलास्तरीय समूहों का स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि लंबे समय तक कार्य कर सके. उन्होंने नेतृत्व प्रदान करने के लिए किन गुणों का होना आवश्यक है, इसपर भी प्रकाश डाला. कार्यक्रम का समापन कल एक बजे एक्सआइएसएस सभाकक्ष में होगा. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कृषि निदेशक वी जयराम उपस्थित होंगे.

HT, Ranchi, 5th Aug '03

Farmers asked to opt for alternative ...ns of irrigation

HINDUSTAN TIMES

State Agriculture director V Jairam attend a training programme for farmers at Ramkrishna mission Ashram in Ranchi on Monday.

ONLY NINE per cent of agricultural land in Jharkhand has proper irrigation facility, whereas state like Punjab has a high irrigation facility of 95 per cent, said Dr AK Sarkar, Nodal Officer, Birsa Agricultural University (BAU), here on Monday.

He was speaking at the inaugural session of the five-day training programme organised by the State Agriculture Management and Extension Training Institute, Hyderabad in association with Samiti Jharkhand, on 'Promotion of Farmers Group and Farmers Organisation' at Ram Krishna Mission. Sarkar said that in the backdrop of scanty rainfall witnessed this year in the State, farmers should complete plantation of all Kharif crops latest by August 15, if they wanted to maximise the yield. "If agricultural yield is to be increased, farmers should find some alternative means of irrigation," he said, advocating multiple cropping in a season.

V Jairam, State agriculture director cum nodal officer, said that since the farmers in Jharkhand produce only one crop a season, it is one of the biggest factors responsible for food shortage. "Farmers should opt multiple farming and adopt some of the scientific methods of agriculture," he said, while advocating the technique of wetland farming for the farmers in areas where rainfall is scanty.

Swami Gadnathananda felt that people would not ... in food unless there is a check on

हिन्दुस्तान, रांची 5 अगस्त '2003

वर्षा आधारित खेती से किसान का विकास संभव नहीं : जयराम

रांची (सं)। कृषि निदेशक श्री जयराम ने कहा कि वर्षा आधारित खेती से झारखंड के किसानों का विकास संभव नहीं है। हालांकि यहां 90 प्रतिशत खेती वर्षा पर आधारित है। इस स्थायी समस्या को ध्यान में रख कर काम करना होगा। पानीवाली फसल लगाने में प्राथमिकता दें। श्री जयराम चार अगस्त को रामकृष्ण मिशन में पांच दिवसीय किसानों के समूह एवं संगठन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन के अवसर पर बोल रहे थे। इसका आयोजन मैनेज, समिति, झारखंड एवं रामकृष्ण मिशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। श्री जयराम ने कहा कि यहां के किसानों को काफी मेहनत करने के बाद भी आर्थिक लाभ नहीं मिल पा रहा है। उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन करते मुख्य अतिथि छाया: जावेद

के राज्य निदेशक डॉ एके सरकार ने कहा कि वैज्ञानिक जो काम कर रहे हैं, उसका लाभ किसानों तक नहीं पहुंच पा

पानी संचयन करने, मक्का की खेती करने, एक साथ कई फसल उगाने की सलाह दी। मैनेज के डॉ एमए करीम ने

किसान सहायता समूह का गठन करें : डॉ सरकार

रांची (सं)। समेति के निदेशक डॉ एके सरकार ने केंद्रीय कृषि मंत्रालय के निर्देशानुसार आत्मा जिलों को जल्द से जल्द प्रखंड तकनीकी टीम एवं किसान सहायता समूह का गठन करने का निर्देश दिया। उन्होंने आत्मा जिलों के उप परियोजना निदेशक, प्रखंड तकनीकी टीम, स्वयंसेवी संस्थान एवं किसान संगठन के प्रतिभागियों से प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों की जानकारी हासिल की। डॉ सरकार समेति द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रमोशन ऑफ फारमर्स एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। तकनीकी सत्र में डॉ एमए करीम,सोमेन विश्वास, नाबार्ड के सहायक महाप्रबंधक सुशांत मिश्रा, दिव्यायन के कार्यक्रम समन्वयक डॉ एके जासु,डॉ आरपी सिंह रतन ने भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। कार्यक्रम के प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को बुड़मू प्रखंड के महादेवटोली व चापाटोली में आरके मिशन द्वारा संचालित विवेकानंद सेवा संघ का अवलोकन कराया गया। पलामू के कृषक रामप्यारे सिंह, लेस्लीगंज के विनोद प्रसाद कुशवाहा आदि ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम

'बहुउद्देशीय खेती कार्य देख हैरत में पड़े किसान'

प्रतिनिधि, डालटनगंज

समेति व मैनेज के तत्वावधान में पांच दिन चले प्रशिक्षण में प्रगतिशील कृषकों को अति लाभकारी प्रशिक्षण दिये गये। उन्हें रांची के बुरमु प्रखंड के महादेव टोला में ले जाया गया, जहां टमाटर, फूल व पत्ता गोभी सहित अन्य सब्जियों की फसल देखकर कृषक हैरत में पड़ गये। कृषकों ने इस प्रशिक्षण शिविर को सफल बताते हुए कहा कि वे गांवों में जाकर ऐसी ही तकनीक से खेती करेंगे तथा अन्य कृषकों को भी इसी तकनीक व उन्नत बीज से खेती करने के प्रति उनमें उत्सुकता पैदा करेंगे। इस बात की जानकारी समेति संस्थान रांची के प्रवक्ता अजय कुमार ने दी। शुक्रवार को प्रशिक्षण समाप्ति के बाद वे यहां आत्मा के एसआईपी की तैयारी व अन्य कार्यों की प्रगति की जानकारी लेने पहुंचे हैं। जिसकी अद्यतन जानकारी वे निदेशक को देंगे। श्री कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण के क्रम में कृषकों को बुरमु प्रखंड के महादेव टोला व पिठौरिया गांव के कृषकों से सीधी बात कराई गई। वहां के कृषकों ने उन्हें साल भर गोभी- टमाटर व अन्य सब्जियों की खेती के बारे में विस्तृत रूप से समझाया। वहां के कृषकों ने यह भी बतलाया कि इस टोले से प्रतिदिन सैकड़ों क्विंटल सब्जियां बाहर भेजी जाती है और आर्थिक रूप से संपन्न बना जा सकता है। उन्होंने बताया कि कृषकों को राष्ट्रीय प्रोद्योगिक परियोजना के तहत कराये गये कार्यों का दिखाया गया। इसमें उन्हें दिखाया गया कि कैसे एक तालाब के जरिये खेतों की पटवन, मत्स्य पालन, तालाब में बतख पालन, सुअर पालन होते हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि एक तालाब के होने से आगल-बगल के क्षेत्रों में वाटर लेवल ऊपर रहेगा।

खेती-बाड़ी

तालाब में मछली एवं बतख पालन होगा। बतख के लिए तालाब में डाले जायेंगे,जो मिट्टी से मिलकर प्लावक का निर्माण करेंगे और मछलियां उसे भोज्य पदार्थ के रूप में ग्रहण करेंगी। तालाब से आगल-बगल के क्षेत्रों में धान की खेती भी होगी। ऐसी योजना को देख कृषक बहुत खुश हुए। कृषकों को शुष्क खेती के बारे में जानकारी दी गयी कि कैसे कम पानी वाले खेतों में फसल लिया जा सकता है। कृषकों को संस्थान के प्रभारी सोमेन विश्वास द्वारा सेल्फ हेल्प ग्रुप एवं नाबार्ड के एजीएम मृणांत मिश्रा द्वारा माइक्रो फाईनेंसिंग एवं कृषक समूह के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि जो भी कृषक वहां प्रशिक्षण लेने गये थे, सभी आत्म विश्वास से भरे थे। सभी कृषक समेति के निदेशक डाक्टर एके सरकार के साथ बातचीत में प्रशिक्षण को बहुपयोगी बताया और कहा कि वे यहां से जाकर अपने-अपने खेतों में वैज्ञानिक तरीके से खेती करके अन्य कृषकों को इसके लिए प्रेरित करेंगे।

रांची, शनिवार, 31 जनवरी, 2004

हिंदुस्तान

आत्मा जिले की परियोजना की समीक्षा

रांची। बिहार और झारखंड में आत्मा मॉडल को लेकर तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 30 जनवरी को संपन्न हो गयी। बीएयू के बायोटेक सेंटर में आयोजित बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित मैनेज हैदराबाद के निदेशक(ओडी एवं पीसी) डॉ जीआर देसाई ने कृषि विकास के लिए संबंधित विभागों में समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने आत्मा मॉडल के काम को राज्य स्तर पर चलाने की वकालत की। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कृषि विभाग के आयुक्त सह सचिव शिव बसंत ने समेति एवं आत्मा को वित्तीय रूप से संस्थापित करने के लिए सभी प्रकार का सहयोग देने का वादा किया। समापन समारोह में बीएयू के कुलपति डॉ एसएन पांडे, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ आरएम श्रीवास्तव, कृषि निदेशक वी जयराम, समेति का निदेशक वी जयराम, संकाय सदस्य मनोज कवि, कार्यक्रम पदाधिकारी अजय कुमार उपस्थित थे।